भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान भुवनेश्वर
Indian Institute of Technology Bhubaneswar

प्रेस विज्ञप्ति

आईआईटी भुवनेश्वर और जैज़ी ने ओडिशा के पहले जेनएआई हैकथॉन का आयोजन किया

भुवनेश्वर, 7 जुलाई 2025: भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (IIT) भुवनेश्वर ने जैज़ी के सहयोग से ओडिशा का पहला GenAI हैकथॉन आयोजित किया है, जिसका शीर्षक है "ट्रिलियन डॉलर ऑपर्चुनिटी 2025", जो 3 से 5 जुलाई 2025 तक जनरेटिव AI के क्षेत्र में छात्र नवप्रवर्तकों को सशक्त बनाने के उद्देश्य से एक अग्रणी पहल है। IIT भुवनेश्वर के परिसर में आयोजित इस कार्यक्रम ने देश भर के महत्वाकांक्षी डेवलपर्स, शोधकर्ताओं और AI उत्साही लोगों को अत्याधुनिक AI तकनीकों का उपयोग करके वास्तविक दुनिया की चुनौतियों का समाधान करने के लिए एक साथ लाया। ऑनलाइन आवेदन करने वाली 126 टीमों (447 छात्रों) में से केवल 11 एलीट टीमें (40 छात्र) ही IIT भुवनेश्वर में ग्रैंड फिनाले में पहुँच पाईं।

उद्घाटन समारोह में शिक्षाविदों और नेताओं के एक प्रतिष्ठित पैनल ने भाग लिया, जिसमें आईआईटी भुवनेश्वर में डीन सतत शिक्षा प्रो. वी. पांडु रंगा, आउट्र-फाइन के निदेशक डॉ. रंजन कुमार प्रधान, आईआईटी भुवनेश्वर के प्रो. प्रशांत कुमार साहू और जैज़ी के संस्थापक और सीईओ श्री सुचित मिश्रा शामिल थे।

48 घंटे की नॉन-स्टॉप कोडिंग, विशेषज्ञ मार्गदर्शन और उच्च-प्रभावी समस्या समाधान के साथ, हैकाथॉन ने ऐसे सफल विचारों के लिए एक लॉन्चपैड पेश किया जो भविष्य के ट्रिलियन-डॉलर के जेनएआई परिदृश्य को आकार दे सकते हैं। इस ऐतिहासिक आयोजन ने आईआईटी भुवनेश्वर को राज्य और उसके बाहर एआई नवाचार और उद्यमिता के मामले में सबसे आगे रखा। सभी टीमों में से विजेता थे:

- प्रथम पुरस्कार: टीम इवॉल्व एआई - रचित गोयल, मुकुल गर्ग, चितकारा यूनिवर्सिटी, पंजाब से कुशाग्र कटारिया और चितकारा विश्वविद्यालय से मोक्ष कुलश्रेष्ठ - ₹50,000
- दूसरा पुरस्कार: वेल्लोर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, चेन्नई से टीम अल्फ़ाक्यू - (अच्युत मुकुंद, अक्षत माजिला, सत्यम झा) और आईआईआईटी ग्वालियर से रोनित राज - ₹30,000
- तीसरा पुरस्कार: टीम K2013 - IISER बेरहामपुर से अनय के साथ सेनेका पॉलिटेक्निक से (समर्थ शर्मा और ख्वाहिश वैद) - ₹20,000

समापन समारोह में सिलिकॉन यूनिवर्सिटी के कुलपति प्रो. जयदीप तालुकदार, आईआईटी भुवनेश्वर के सीएसई विभागाध्यक्ष प्रो. देबी प्रसाद डोगरा और आईआईटी भुवनेश्वर के प्रो. प्रशांत कुमार साहू ने भाग लिया, जिन्होंने अपने ज्ञान भरे शब्दों से प्रतिभागियों को प्रेरित और प्रोत्साहित किया। जैसा कि श्री सुचित मिश्रा ने सटीक रूप से कहा, "हम प्रचुरता के युग में रह रहे हैं - जहाँ एआई जटिलता को अमूर्त करने और प्रत्येक डेवलपर के लिए असीमित अवसरों को अनलॉक करने के लिए तैयार है।" इस हैकथॉन ने भारत में एआई-संचालित नवाचार के लिए एक निर्णायक क्षण को चिह्नित किया।